ओ३म्

वैदिक संस्कृति का उद्घोषक

वैदिक सार्वदेशिक

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, नई दिल्ली का साप्ताहिक मुख-पत्र

शुल्क :- एक प्रति 5 रुपया (भारत में) वार्षिक 250 रुपये तथा आजीवन 2500 रुपये

वर्ष 13 अंक 35 कुल पृष्ठ-8 19 से 25 अप्रैल, 2018 दयानन्दाब्द 194 सृष्टि सम्वत् 1960853119 सम्वत् 2075 ज्ये.शु.-05

राष्ट्रीय शिक्षक गौरव व हरियाणा शिक्षक गौरव सम्मान से नवाजे गए शिक्षक

राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान

– स्वामी आर्यवेश

शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है

– मनीष ग्रोवर

भारतीय शिक्षा पद्धति अमेरिका से ज्यादा संस्कार देने वाली है

– विशाल मलिक (अमेरिका)

शिक्षा के साथ संस्कार देने पर भी जोर लगाएं शिक्षक

– दिलबाग अहलावत

आर्य समाज व युवा निर्माण अभियान के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षक गौरव सम्मान समारोह का आयोजन स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ,आश्रम टिटौली रोहतक में किया गया। जलियांवाला बाग के शहीदों की स्मृति में आयोजित इस सम्मेलन में कुल 99 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। विदित हो कि यह कार्यक्रम जलियांवाला बाग हत्याकांड के आज 99 वर्ष पूरे होने पर किया गया था। जिनमें हरियाणा के अतिरिक्त बिहार,उत्तर प्रदेश उत्तराखंड,राजस्थान झारखंड,आंध्र प्रदेश दिल्ली,महाराष्ट्र आदि राज्यों के शिक्षक शामिल रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा के सहकारिता मंत्री श्री मनीष ग्रोवर ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक समाज का पथ प्रदर्शक होता है। शिक्षक समाज को जिस तरह का बनाना चाहता है वह बना सकता है।चाणक्य ने कहा है कि शिक्षक समाज में प्रलय और निर्माण करने में समर्थ होता है। उन्होंने कहा कि आज देश में सुयोग्य व राष्ट्रभक्त एवं युवाओं को संस्कारित करने वाले शिक्षकों की महति आवश्यकता है। उन्होंने सरकार द्वारा शिक्षा प्रणाली में किऐ जा रहे बदलाव की भी चर्चा की।

आर्य समाज के सर्वोच्च संगठन सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने कहा कि राष्ट्र के निर्माण में शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। क्योंकि प्राचीन वैदिक संस्कृति में मां बच्चे का पहला गुरु, पिता बच्चे का दूसरा गुरु व अध्यापक बच्चे का तीसरा गुरु होता है। आज बच्चों को संस्कारित करने की जिम्मेदारी जहां अभिभावक लें वही शिक्षक भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। स्वामी जी ने महर्षि दयानंद द्वारा प्रतिपादित प्राचीन वैदिक शिक्षा प्रणाली को अपनाने का भी आह्वान किया।उन्होंने 6,7 व 8 जुलाई 2018 को हरिद्वार में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन में वैकल्पिक शिक्षा पद्धति का प्रारूप तैयार करने लिए शिक्षकों को आमंत्रित किया। अमेरिका से पधारे जैमिनी सॉल्यूशन के प्रबंध निदेशक विशाल मलिक ने कहा कि भारतीय शिक्षा पद्धति आज भी अमेरिका में प्रचलित शिक्षा पद्धति से ज्यादा बेहतर है। लेकिन आज हम उनका अनुसरण करने लग गए तो हम पिछड़ने भी लग गए। शिक्षा विभाग हरियाणा के संयुक्त निदेशक दिलबाग सिंह अहलावत ने कहा कि आज विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार देने पर भी शिक्षकों को जोर देना चाहिए। युवाओं में घटता नैतिक स्तर और बढ़ती भौतिकवादिता समाज के लिए अच्छा संकेत नहीं है।इसलिए शिक्षक और ज्यादा कड़ी मेहनत के साथ प्रयास करें। हैदराबाद से पधारे सार्वदेशिक सभा के महामंत्री प्रो.विट्ठल राव आर्य ने कहा कि शिक्षा में नैतिकता की प्रथमिकता होनी चाहिए। बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक प्रवेश आर्या ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान उनको अपने कार्यों को और मजबूती से करने की प्रेरणा देगा। इस अवसर पर बहन पूनम आर्या कृष्णा फोगाट, स्वामी रामवेश, स्वामी चंद्रवेश, राजकुमार अहलावत,हरपाल आर्य, सज्जन राठी, सुदर्शन पुनिया, अलका मदान व स्वीटी भारती आदि ने भी अपने विचार रखे।

इस अवसर पर मुख्य राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान से राजस्थान से प्रियंका शर्मा व डॉक्टर कोमल सिंह मध्य प्रदेश से दीप्ति गौड़ झारखंड से डॉक्टर हनीफ खान उत्तराखंड से संजय वत्स व सामश्रवा आर्य, उत्तर प्रदेश से प्रदीप कुमार व रणवीर सिंह, महाराष्ट्र से युवराज ठाकरे हैदराबाद से मोनिका देवी सहित कई अध्यापक सम्मानित किए गए। इनके अतिरिक्त हरियाणा के 50 शिक्षकों को हरियाणा शिक्षक गौरव से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन दीक्षेन्द्र आर्य जी ने किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अशोक आर्य, प्रदीप कुमार अजय पाल, आर्य ऋषिराज शास्त्री, सुनीता आर्या ,शशि आर्या दयानंद शास्त्री, राजवीर वशिष्ठ, वेद प्रकाश आर्य, धर्म प्रकाश दहिया,रामपाल शास्त्री, दलबीर आर्य, राजीव गिल, देवेंद्र सहारण, होशियार सिंह मनीष आर्य आदि उपस्थित रहे।

सम्पादक - प्रो. विट्ठलराव आर्य

समाज परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कार्यक्रम
सामूहिक विवाहों का भव्य आयोजन

दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को ग्राम सिवाना, जिला–झज्जर, हरियाणा में
एक पंडाल में 47 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे

दहेज, फिजूलखर्ची एवं आडम्बरों से मुक्त वातावरण में विभिन्न कथित जातियों एवं वर्गों के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों ने समारोह में लिया भाग

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने कार्यक्रम में सम्मिलित होकर दिया आशीर्वाद

महन्त राजेन्द्र दास जी महाराज, हरियाणा के पंचायत मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़, श्री विक्रम कादियान, श्री मोहित पहलवान, श्री उपेन्द्र कादियान जिला पार्षद, श्री दिग्विजय सिंह चौटाला आदि ने भी समारोह में सम्मिलित होकर विवाहित जोड़ों को दी शुभकामनाएँ

ग्राम–सिवाना, तहसील–झज्जर, हरियाणा के युवा उत्साही एवं समाजसेवा को समर्पित सरपंच श्री हरिओम कादियान एडवोकेट के कुशल नेतृत्व में क्षेत्र की विभिन्न बिरादरियों के प्रतिष्ठित महानुभावों ने गत् 14 अप्रैल, 2018 को सामूहिक विवाहों का एक भव्य आयोजन करके समाज परिवर्तन की दिशा में एक ऐतिहासिक कार्य किया। इस कार्यक्रम में एक विशाल पंडाल में इलाके के आर्थिक रूप से कमजोर अर्थात् गरीब परिवारों के 47 जोड़ों ने उपस्थित होकर अपने आपको परिणय सूत्र में बांधा। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में लगभग 10 हजार ग्रामीण जनता एकत्रित हुई और इस सामूहिक विवाह समारोह की साक्षी बनी। सामूहिक विवाह आयोजन समिति के संयोजक श्री हरिओम सरपंच ने बताया कि परिणय सूत्र में बंधने वाले सभी लड़के व लड़कियाँ वर्तमान में प्रचलित विभिन्न कथित बिरादरियों के थे और ये विवाह समारोह समस्त फिजूलखर्ची, आडम्बर एवं दहेज आदि से पूर्णतः मुक्त रहा। इसके साथ ही यह भी कार्यक्रम की विशेषता थी कि इसमें सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन समिति की ओर से किया गया था जिसमें सभी बिरादरियों के लोगों ने बड़ी श्रद्धा और प्रेम से भोजन किया। भोजन पूर्ण रूप से शुद्ध देशी घी से तैयार किया गया था। समिति की ओर से सभी विवाहित जोड़ों को गृहस्थ जीवन में घर के लिए उपयोगी समस्त सामान भेंट स्वरूप प्रदान किया गया। प्रत्येक जोड़े को 180 लीटर का फ्रिज, एल.सी.डी. टी.वी., 51 बर्तनों का सैट, चांदी का सिक्का एवं वस्त्र आदि सैकड़ों वस्तुएँ जो एक घर के लिए आवश्यक हैं देकर विदा किया। साथ ही विशेषता यह रही कि विवाह सूत्र में बंधने वाली सभी लड़कियों को इस अवसर पर एकत्रित कन्या दान की कुल राशि को बाँटकर प्रत्येक विवाहिता को 8 हजार रुपये नकद भेंटकर सम्मान दिया गया। पूरे कार्यक्रम का वातावरण उत्सव एवं मेले जैसा लग रहा था

और सामाजिक सौहार्द एवं भाईचारा साक्षात् मूर्त रूप लेता हुआ दिख रहा था।

इस विशेष आयोजन एवं आयोजनकर्ताओं तथा विवाह सूत्र में बंधने वाले लड़के–लड़कियों को अपना आशीर्वाद देने के लिए सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी कार्यक्रम में पहुँचे और उन्होंने अपने वक्तव्य में इस आयोजन को एक सामाजिक क्रांति की संज्ञा दी। उन्होंने कहा कि समाज में बढ़ते हुए वैमनस्य, टकराव एवं नफरत के वातावरण के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार जातिवाद का जुनून है। इस सामूहिक विवाह समारोह में जातिवाद की दीवारों को तोड़कर जिस प्रकार से सभी छोटी–बड़ी बिरादरियों को एक पण्डाल में एकत्रित करके उनके सामूहिक विवाह सम्पन्न कराये गये हैं, यह निःसंदेह समाज में सौहार्द का वातावरण तैयार करेगा। स्वामी आर्यवेश जी ने आयोजन समिति, ग्रामवासियों तथा क्षेत्रवासियों का इस सफल कार्यक्रम के लिए साधुवाद किया तथा विवाह सूत्र में बंधने वाले सभी लोगों तथा परिवारजनों को आशीर्वाद प्रदान किया।

इस महत्त्वपूर्ण अवसर पर क्षेत्र के महत्त्वपूर्ण संत श्री राजेन्द्र दास जी का विशेष आशीर्वाद समिति तथा कार्यक्रम को प्राप्त हुआ। उनके अतिरिक्त हरियाणा के पंचायत मंत्री श्री ओम प्रकाश धनखड़, श्री विक्रम कादियान, श्री मोहित पहलवान, श्री दिग्विजय सिंह चौटाला तथा श्री उपेन्द्र सिंह कादियान जिला पार्षद आदि ने शुभकामनाएँ देकर आयोजन कर्ताओं का उत्साह बढ़ाया। इस पूरे आयोजन की समिति में श्री हरिओम एडवोकेट सरपंच के अतिरिक्त श्री सुरेश सोलंकी, श्री अनिल कुमार, श्री नवीन कुमार, श्री सुरेश डागर, श्री सत्यवीर सिंह, पं. मुकेश, श्री आजाद सिंह वैरागी, श्री अनिल कुमार आदि भी सम्मिलित थे। इन सभी ने विशेष पुरुषार्थ एवं परिश्रम करके आयोजन को सफलता के साथ सम्पन्न किया।

19 अप्रैल जयन्ती पर विशेष

आर्य जगत् के देदीप्यमान नक्षत्र महात्मा हंसराज

– आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री

आर्य जगत् के देदीप्यमान नक्षत्र महान ईश्वरभक्त, त्यागी, तपस्वी, कर्मयोगी, समाजसुधारक, ऋषिभक्त, डी.ए.वी. के सर्जक, महान शिक्षाविद् महात्मा हंसराज जी स्थितप्रज्ञ महापुरुष थे।

भवि दिवस वृत्तिः सप्तसप्तिस्तथोष्ठाः,
सतत कलुष मध्यो दीव्यन्तीन्दुः क्षपायाम्।
समजनि समवृत्तिः सर्वथा यो अकलंको,
जयतु स मुनि–नम्यो हंसराजो महात्मा।।

सूर्य केवल दिन में प्रकाश करता है तथा स्वभाव से उष्ठा भी है। चन्द्रमा सकलंक है और रात में प्रकाशित होता है किन्तु मुनियों द्वारा भी नमनीय महात्मा हंसराज जी सदा एकरस तथा निष्कलंक थे अर्थात् सूर्य चन्द्र से भी श्रेष्ठ थे। अतः उनकी जय हो। वह एक ऐसे कमल हैं जो स्वगुठा श्रवठा की रात्रि में संकुचित हो जाते हैं तो परगुठा कथन के दिवस में विस्तृत है। एक बार की बात है कि किसी ने महात्मा हंसराज जी को कहा कि अमुक आदमी ने पाप से खूब पैसा कमाया है, इस पर महात्मा जी कहने लगे मैं उनके जीवन के विषय में कुछ नहीं जानता, परन्तु इतना तो अवश्य पता है कि उस व्यक्ति ने कालेज के लिए 2500 रुपया दान दिया है। किसी व्यक्ति के क्रोध पर जब बात चली तब महात्मा हंसराज जी कहने लगे कि वह व्यक्ति बहुत उत्साही है, कठिनाई को कठिनाई नहीं समझता। क्योंकि कठिनाई को कठिनाई समझना ही बहुत बड़ी कठिनाई है। वे किसी की कभी भी निन्दा नहीं करते थे, अपितु दूसरों के गुणों की प्रशंसा करने में थकते नहीं थे। वे एक सच्चे संत पुरुष थे। महात्मा हंसराज के पुत्र बलराज पर सन् 1611 में लार्ड हार्डिंग पर बम फेंकने के षड्यंत्र में शामिल होने के आरोप में मुकदमा चला और अन्त में काले पानी की सज़ा हुई। जिस दिन अदालत में निर्णय सुनाया जाना था उसी दिन महात्मा जी को जालन्धर में आर्य समाज के उत्सव पर जाना था। महात्मा जी अदालत में गए, फैसला सुना और वहाँ से सीधा स्टेशन पहुँचकर जालन्धर रवाना हो गए। जालन्धर में उन्होंने किसी से उस सजा की चर्चा तक नहीं की, सारा आर्य जगत् इस अभियोग के परिणाम की बड़ी उत्सुकता और चिन्ता से प्रतीक्षा कर रहा था। अगले दिन लोगों ने जब अखबारों में क्रांतिकारी बलराज को कालेपानी की सजा का समाचार पढ़ा, तब सभी हतप्रभ रह गये। हतप्रभ केवल सजा की भयंकरता पर ही नहीं बल्कि महात्मा जी की अद्भुत स्थिप्रज्ञता पर भी। धन्य हैं त्यागमूर्ति महात्मा हंसराज जी।

महात्मा हंसराज आर्य समाज के प्रमुख आर्यनेता एवं महान समाजसेवी थे। केवल 22 वर्ष की आयु में ही डी.ए.वी. स्कूल लाहौर के प्रधानाचार्य बने। महात्मा हंसराज जी पर निम्नलिखित पंक्तियाँ चरितार्थ होती हैं :–

अपने दुःख में रोने वाले मुस्कराना सीख ले।
दूसरों के दर्द में आंसू बहाना सीख ले।।
जो खिलाने में मजा है आप खाने में नहीं।
जिन्दगी में तू किसी के काम आना सीख ले।।
वीर, कर वो काम जिससे तू सदा जिन्दा रहे।
हर किसी को प्यार से अपना बनाना सीख ले।।

महात्मा हंसराज जी का कथन है कि प्रत्येक आर्य का कर्त्तव्य है कि वह अपने नगर, कस्बा, ग्राम तथा कुल में एक बढ़िया उदाहरण बने और वेदों के प्रकाश को सामने रखे जो सहस्त्रों वर्षों के पश्चात् स्वामी दयानन्द ने पुनः प्रसारित किया है। यदि हमारे कर्म ऊँचे होंगे तो हम मुक्ति पायेंगे, अन्यथा नहीं। आर्य समाज की सदस्यता हमें मुक्ति नहीं दिलायेगी। मुक्ति तो हमारे

महात्मा हंसराज

शुभ कर्मों तथा पवित्र आचरण पर निर्भर है। कर्म भी एक यज्ञ है।

महात्मा जी कहा करते थे कि कोई जाति (समाज) अच्छी अवस्था में नहीं रह सकती, जिसके अन्दर सद्भाव न हो। सद्भावों का संचार जातीय उन्नति के लिए प्रथम बात है। कितनी गहरी बात है। **उठता है विचार तो उठता है आदमी, गिरता है विचार तो गिरता है आदमी।** मेरा मानना है कि आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है मनुष्य की चेतना को जगाना। याद रखें आज तक जो कुछ भी समाज में श्रेष्ठ आया है वह सद्विचारों से ही आया है। विचारों की ऊँचाइयों से आया है। आपके भीतर किसी दीन–हीन दुःखियों, गरीब या मरीज की सेवा करने का भाव यदि आता है तो वह भी किसी विचार बीज के पैदा होने से ही आता है। वेद का संदेश है – आनो भ्रदाः क्रतयो यन्तु।

हो कर्म नेक तो दुनियाँ में इंसान अच्छा है।
समय जो प्रभु याद में गुजरे तो वह वक्त अच्छा है।।
हक के जुड़ जाये अगर दिल के तार, तो दिल अच्छा है।
अगर साफ कर ले तु दिल को तो यही घर स्वर्ग से अच्छा है।।

महात्मा हंसराज जी महान कर्मयोगी थे। समाजसेवा, साहित्य सृजन, अध्यापन लोकमंगल में सदा संलग्न थे। मेरा मानना है कि सच का सामना हमें सामने आकर करना चाहिए, पीछे से नहीं। सच वह दर्पण है जो अपना चेहरा हमें दिखाता है और वह हमारा भी चेहरा ही देखना चाहता है, पीठ नहीं।

जीवन की अवधि का पता नहीं होता, पर हमें करने के लिए जो काम मिला है, उसका हमें पता होना चाहिए। उसे हमने पूरा करना है। जीवनकाल में यदि पूरा न भी हो तो भी संतोष होना ही चाहिए कि हमने श्रम और लगन में कोई कसर नहीं छोड़ी। चुनौतियों का सामना उनसे भाग कर नहीं जाग कर करना चाहिए। महात्मा हंसराज जी के जीवन में अनेक कष्ट आये, विपत्तियाँ आई परन्तु वे विचलित नहीं हुए। हमें भी चाहिए कि उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ें। संन्ध्या, सेवा, स्वाध्याय, संस्कार, सत्संग, सत्य को आत्मसात् करें।

महर्षि दयानन्द सरस्वती जी के देहावसान के बाद महात्मा हंसराज जी ने सोचा कि आर्य समाज की विचारधारा से पूर्ण युवक ही ऋषि के कार्य व स्वप्न को पूरा कर सकता है। उन्होंने ऋषि के कार्य को पूरा करने के लिए डी.ए.वी. स्कूल की स्थापना की। वेद प्रचार मण्डल द्वारा वेदों का प्रचार किया एवं यज्ञ, समाज सुधार के कार्यों द्वारा आर्य समाज फला–फूला। आज फिर ऐसे महापुरुषों की आवश्यकता है जो समाज के लिए महात्मा हसंराज की तरह तन–मन और धन अर्पण कर सकें। आईये! महात्मा हंसराज जी के बताए हुए मार्ग पर चलते हुए अज्ञान, अन्याय, अभाव को दूर करने के लिए कटिबद्ध हों।

इक न इक शम्मा, अंधेरे में जलाये रखिये।
सुबह होने को है, माहौल बनाये रखिये।।
जपत–जपत नित्यं मन्त्रवत् तस्य नाम।
पठत–पठत पुण्यं भ्रातरस्तच्चरित्रम्।
भवत–भवत योग्यास्तस्य शिष्यत्वमाप्तुम्।
जयतु भुवि यथाऽसौ हंसराजो महात्मा।।

उस महात्मा के गुणों को धारण करो, उसके चरित्र को बार–बार पढ़ो और करो प्रयास उसके नाम लेवा बने रहने की पात्रता प्राप्त करने के लिए जिससे वह महापुरुष संसार में जयी हो उसका नाम अमर रहे।

अध्यात्म पथ, दिल्ली मो.:–9810084806

वीतराग संन्यासी स्वामी सर्वदानन्द जी का निर्वाण दिवस समारोह सम्पन्न

श्री सर्वदानन्द संस्कृत महाविद्यालय, गुरुकुल, साधु आश्रम (अलीगढ़) के परिसर में वीतराग संन्यासी स्वामी सर्वदानन्द जी की पुण्यतिथि 10 अप्रैल, 2018 को सोल्लास पूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय से शिक्षा प्राप्त पूर्व स्नातकों के अतिरिक्त निकटवर्ती क्षेत्रों के गणमान्य व्यक्ति भारी संख्या में उपस्थित रहे और कार्यक्रम में सहयोग प्रदान किया।

सर्वप्रथम स्वामी सोम्यानन्द सरस्वती जी के ब्रह्मत्व में बृहद यज्ञ का आयोजन किया गया जिसमें वेदपाठ श्री कपिल शास्त्री और सुनील शास्त्री ने किया। मुख्य यजमान के रूप में श्री/श्रीमती मनोज अग्रवाल, मालिक गोकुल बिल्डिंग मैटीरियल, हरदुआगंज, अलीगढ़ विराजे, अन्य यजमानों के रूप में श्री देवनारायण भारद्वाज, श्री भूपेन्द्र चौधरी, श्री प्यारे लाल, श्री राजेश कुमार और श्री धर्मवीर सिंह आर्य सपत्नीक यज्ञवेदी पर विराजमान रहे।

यज्ञ के प्रबन्ध और संचालन में श्री ब्रह्मदेव शास्त्री का विशेष सहयोग रहा। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. जीवन सिंह और आचार्य वैनामी सिंह ने स्वामी सर्वदानन्द जी के जीवन और उनके द्वारा किये गये विशेष कार्यों पर प्रकाश डाला।

स्वामी जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करने वाले अन्य विद्वत्जनों में आचार्य शिवकुमार शर्मा, आचार्य रामपाल, ऋषिपाल, अमित गर्ग, रामखिलाड़ी सिंह, महाशय दर्शन लाल, राममुनि, टीकम सिंह विशेष थे। समारोह के अन्त में उपस्थित जनता के सहभोज का पूरा व्यय विद्यालय के पूर्व स्नातक श्री कौशल देव शास्त्री, नैष्टिक ब्रह्मचारी ने वहन किया।

इस अवसर पर स्वामी सोम्यानन्द जी ने अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि मानव समाज के कल्याण हेतु शिक्षा का प्रचार व प्रसार, धार्मिक अन्धविश्वासों को समाप्त करने, युवाओं में चरित्र का निर्माण करने और कुरीतियों को समाप्त करने में संन्यासियों का विशेष योगदान रहा है। अधिकतर गुरुकुलों का प्रबन्ध व संचालन वर्तमान में भी संन्यासी ही कर रहे हैं। ऐसे ही वीतराग संन्यासी स्वामी सर्वदानन्द जी अपनी जनसेवा और मानव समाज के कल्याण हेतु किये गये कार्यों से अमर हो गये। कार्यक्रम का संचालन प्राचार्य प्रो. जीवन सिंह जी ने अति उत्तम विधि से किया।

– प्रो. जीवन सिंह, प्राचार्य

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन हरिद्वार की तैयारियाँ जोरों पर

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर में कार्यकर्त्ताओं की उत्साहजनक बैठक सम्पन्न

गुरुकुल महासम्मेलन को एक ऐतिहासिक सम्मेलन के रूप में करके दिखायेंगे

– स्वामी यतीश्वरानन्द

हरिद्वार एवं देहरादून क्षेत्र के गाँव–गाँव से 5 हजार आर्यजन सम्मेलन में भाग लेंगे

– हाकम सिंह आर्यवंशी

गुरुकुल महासम्मेलन में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा

–प्रो. विट्ठलराव आर्य

आर्य समाज के इतिहास में गुरुकुलों का यह ऐतिहासिक सम्मेलन होगा जिसमें पहली बार पूरे देश के गुरुकुल होंगे सम्मिलित

– स्वामी आर्यवेश

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन हरिद्वार की तैयारियों के लिए सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी तथा मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य ने अपने तूफानी दौरे प्रारम्भ कर दिये हैं। इस महासम्मेलन को सफल बनाने के लिए गत 15 अप्रैल, 2018 को गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के प्रांगण में आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड के समस्त पदाधिकारियों, जिला सभा हरिद्वार एवं जिला सभा देहरादून के पदाधिकारियों एवं कर्मठ कार्यकर्ताओं की एक महत्त्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, सभा मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य जी, हरिद्वार ग्रामीण के यशस्वी विधायक एवं गुरुकुल महाविद्यालय के मंत्री स्वामी यतीश्वरानन्द जी, आचार्य वेद प्रकाश शास्त्री पूर्व प्रतिकुलपति गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखण्ड आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान श्री गोविन्द सिंह भण्डारी, संरक्षक श्री सुखवीर सिंह वर्मा, मार्गदर्शक श्री प्रेम प्रकाश शर्मा, मंत्री श्री दिनेश आर्य, कार्यकारी प्रधान श्री मानपाल सिंह राठी, डॉ. विश्वपाल जयन्त आधुनिक भीम कण्व आश्रम, प्रसिद्ध आर्यनेता मा. सुमन्त सिंह आर्य, जिलासभा हरिद्वार के प्रधान श्री हाकम सिंह आर्यवंशी, जिलासभा देहरादून के प्रधान श्री शत्रुघ्न मौर्य, गुरुकुल पौंधा के आचार्य डॉ. धनन्जय कुमार, श्री चन्द्रभूषण, आचार्य यज्ञवीर, आर्य समाज हरिद्वार के प्रबन्धक डॉ. वीरेन्द्र पंवार, श्री दयाकृष्ण काण्डपाल अल्मोड़ा, प्रिं. लाल सिंह आर्य, डॉ. रविन्द्र कुमार आदि ने बैठक में अपने–अपने सुझाव प्रस्तुत कर सम्मेलन की सफलता एवं सहयोग के लिए संकल्प व्यक्त किया।

जिलासभा के प्रधान श्री हाकम सिंह आर्यवंशी ने हरिद्वार जिले से 5 हजार लोगों के सम्मेलन में भाग लेने की घोषणा की और कहा कि वे सम्मेलन को सफल बनाने में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ेंगे। सम्मेलन के लिए अनुभवी कार्यकर्ता देने तथा धन–संग्रह का दायित्व भी उन्होंने अपने ऊपर लिया। डॉ. वीरेन्द्र पंवार ने सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष पद के लिए स्वामी यतीश्वरानन्द जी का नाम प्रस्तुत करके आग्रह किया कि स्वामी जी को सम्मेलन में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए और इस सम्मेलन के स्वागताध्यक्ष के पद को स्वीकार करना चाहिए। करतल ध्वनि से स्वामी जी को गुरुकुल महासम्मेलन का स्वागताध्यक्ष स्वीकार किया गया। इस पर स्वामी यतीश्वरानन्द जी ने सम्मेलन की व्यवस्था हेतु धन–संग्रह के कार्य में विशेष रूप से सहयोग करने की घोषणा की। उनके साथ श्री प्रेम प्रकाश शर्मा देहरादून भी कंधे से कंधा मिलाकर धन–संग्रह के कार्य में जुटेंगे। शर्मा जी ने भी इस प्रस्ताव को सहज स्वीकार किया।

सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने सम्पूर्ण आर्य जगत् का आह्वान किया कि भारी संख्या में हरिद्वार

पहुँचकर महासम्मेलन में भाग लें और इसको सफल बनाने के लिए दिल खोलकर आर्थिक सहयोग करे। उन्होंने कहा कि आर्य समाज के इतिहास में यह पहला अवसर है जब पूरे देश के गुरुकुल एक स्थान पर एकत्रित होंगे तथा सरकार से गुरुकुलों को विशेष सहयोग करने की अपील भी की जायेगी। सभा मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य ने अपने वक्तव्य के द्वारा सूचित किया कि गुरुकुल महासम्मेलन में एक महत्त्वपूर्ण प्रस्ताव के द्वारा गुरुकुल शिक्षा प्रणाली को वैकल्पिक शिक्षा प्रणाली के रूप में प्रस्तुत किया जायेगा तथा इसके लिए विद्वानों की एक समिति शीघ्र ही गठित कर दी जायेगी। उन्होंने बताया कि महासम्मेलन में देश–विदेश के लब्ध प्रतिष्ठ विद्वान्, गुरुकुलों के आचार्य एवं आचार्याएँ, प्रतिष्ठित संन्यासी, राजनेता, केन्द्रीय एवं प्रान्तीय मंत्री तथा विशिष्ट महानुभावों को सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। हमें पूर्ण आशा है कि यह महासम्मेलन अद्भुत होगा। डॉ. वीरेन्द्र पंवार ने सम्मेलन के लिए अपना पूरा समय देने की घोषणा की और कहा कि स्वामी जी का जो भी आदेश होगा उसे प्राणपण से पूरा करेंगे।

गुरुकुल पौंधा देहरादून में आचार्य धनन्जय जी एवं प्रेम प्रकाश शर्मा जी के साथ बैठक

हरिद्वार से चलकर सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य जी एवं ब्र. दीक्षेन्द्र जी गुरुकुल पौंधा देहरादून पहुँचे। हिमालय की सुरम्य वादियों में स्थित गुरुकुल का वातावरण अत्यन्त आकर्षक एवं मनमोहक होने के कारण रात्रि विश्राम भी गुरुकुल प्रांगण में किया। गुरुकुल के आचार्य डॉ. धनन्जय कुमार ने अपने सहयोगियों आचार्य यज्ञवीर जी, श्री चन्द्रभूषण शास्त्री जी, श्री शिवकुमार शास्त्री जी एवं ब्र. श्री शिवदेव आर्य ने सभा अधिकारियों का यज्ञवेदी पर विशेष सम्मान किया और आतिथ्य में किसी प्रकार की कमी नहीं छोड़ी। बाद में आचार्य जी के साथ देहरादून के प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री प्रेमप्रकाश शर्मा मंत्री तपोवन आश्रम भी बैठक में सम्मिलित हो गये और गुरुकुल महासम्मेलन की सम्पूर्ण रूपरेखा पर गहन विचार–विमर्श किया गया। आचार्य धनन्जय कुमार ने महासम्मेलन की सफलता के लिए सर्व प्रकार से सहयोग का आश्वासन देकर अपने दायित्व को निभाने का संकल्प किया।

स्वामी दिव्यानन्द सरस्वती जी से भेंट

वैदिक विरक्त मण्डल के अध्यक्ष एवं योगधाम ज्वालापुर के संचालक पूज्य स्वामी दिव्यानन्द जी सरस्वती के हालचाल जानने एवं गुरुकुल महासम्मेलन के लिए सहयोग एवं आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए सभा अधिकारी 17 अप्रैल, 2018 को प्रातः 9 बजे योगधाम पहुँचे और स्वामी दिव्यानन्द जी से सम्मेलन सम्बन्धी चर्चा की। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए अपने सहयोग का आश्वासन एवं आशीर्वाद प्रदान किया। शेष पृष्ठ 6 पर

स्वामी इन्द्रवेश विद्यापीठ, टिटौली आश्रम, हरियाणा में आयोजित
राष्ट्रीय शिक्षक गौरव व हरियाणा शिक्षक गौरव सम्मान समारोह की चित्रमय झलकियाँ

पृष्ठ–4 का शेष

अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन हरिद्वार की तैयारियाँ जोरों पर....

आर्य समाज हरिद्वार में डॉ. वीरेन्द्र पंवार से चर्चा

आर्य समाज हरिद्वार के प्रबन्धक एवं सार्वदेशिक आर्य युवक परिषद् उत्तराखण्ड के अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र पंवार के साथ सभा अधिकारियों की आर्य समाज में बैठक हुई। डॉ. वीरेन्द्र पंवार ने गुरुकुल महासम्मेलन के लिए अगले दो माह का समय देने का संकल्प लिया और स्वामी आर्यवेश जी को आश्वस्त किया कि वे उक्त सम्मेलन को सफल बनाने में अपना पूरा सहयोग प्रदान करेंगे।

गुरुकुल कांगड़ी के मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा के साथ बैठक

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य जी, ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य एवं श्री धर्मेन्द्र आर्य अधिकारीगण गुरुकुल कांगड़ी के विद्यार्थियों एवं अध्यापकों के साथ सायंकालीन यज्ञ में सम्मिलित हुए। जहां गुरुकुल के मुख्याधिष्ठाता डॉ. दीनानाथ शर्मा ने सहायक मुख्याधिष्ठाता डॉ. नवनीत परमार्थ प्रधानाचार्य श्री विजेन्द्र शास्त्री, डॉ. योगेश शास्त्री आदि के साथ अधिकारियों का स्वागत किया। स्वामी आर्यवेश जी ने विद्यार्थियों को संक्षिप्त उद्बोधन देकर गुरुकुल महासम्मेलन का निमंत्रण भी दिया। बाद में डॉ. दीनानाथ जी एवं डॉ. नवनीत परमार्थ आदि के साथ महासम्मेलन के सम्बन्ध में विस्तार से चर्चा की गई। निश्चय हुआ कि गुरुकुल महासम्मेलन, गुरुकुल कांगड़ी विद्यालय विभाग के प्रांगण में किया जाये जिसकी सम्पूर्ण व्यवस्था में वे लोग सर्वात्मना सहयोग करेंगे।

स्वामी यतीश्वरानन्द जी के साथ वेद मंदिर गीता आश्रम में विशेष बैठक

गुरुकुल महासम्मेलन के लिए स्वागताध्यक्ष के रूप में नियुक्त हरिद्वार ग्रामीण के यशस्वी विधायक स्वामी यतीश्वरानन्द जी महाराज के साथ सभा अधिकारियों की विशेष

बैठक हुई जिसमें विस्तार से महासम्मेलन के भोजन, आवास एवं अन्य समस्त व्यवस्थाओं के सम्बन्ध में समीक्षा की गई। स्वामी यतीश्वरानन्द जी ने इसके लिए अपना समय तथा विशेष आर्थिक सहयोग देने का आश्वासन दिया और जिस भी रूप में उन्हें सम्मेलन की सफलता हेतु कोई कार्य सौंपा जायेगा उसे वे पूरी तन्मयता के साथ करेंगे। यह संकल्प उन्होंने व्यक्त किया और सभा अधिकारियों को यह कहकर निश्चिन्त कर दिया कि हरिद्वार में कार्यक्रम हो रहा है तो उसको सफल बनाने की जिम्मेदारी हमारी है और हम इसमें किसी भी प्रकार की कसर नहीं छोड़ेंगे।

गुरुकुल प्रभात आश्रम टीकरी, भोलाझाल, मेरठ के आचार्य पूज्य स्वामी विवेकानन्द जी महाराज का आशीर्वाद

सभा प्रधान जी एवं सभा मंत्री जी अपने साथियों के साथ 17 अप्रैल, 2018 को मध्यान्ह गुरुकुल प्रभात आश्रम पहुँचे तथा आर्य जगत् के वीतराग संन्यासी पूज्य स्वामी विवेकानन्द जी का

आशीर्वाद प्राप्त कर गुरुकुल महासम्मेलन की सफलता के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया। स्वामी विवेकानन्द जी ने अनेक महत्त्वपूर्ण सुझाव इस सम्मेलन को सफल बनाने के लिए दिये और कहा कि यदि अपने उद्देश्य में यह सम्मेलन सफल हो गया तो यह आर्य समाज की बहुत बड़ी उपलब्धि होगी और मैं सर्वात्मना आपके साथ हूँ और सभी गुरुकुलों से मैं अपील करता हूँ कि वे दल–बल के साथ सम्मेलन में पहुँचे।

दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोनीपत में बैठक

17 अप्रैल, 2018 को सायंकाल 7 बजे दून वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सोनीपत में प्रि. आजाद सिंह बांगड़ ने अपने प्रमुख साथियों की बैठक बुलाई जिसमें सभा अधिकारियों ने गुरुकुल महासम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। बैठक में संकल्प व्यक्त किया गया कि सोनीपत से जहां भारी संख्या में आर्यजन सम्मेलन में पहुँचेंगे वहीं धन–संग्रह करके आर्थिक सहयोग भी देंगे। बैठक में प्रि. आजाद सिंह बांगड़ के अतिरिक्त राजेन्द्र सिंह चहल, मा. भगवान सिंह शर्मा, श्री बलराम आर्य, श्री प्रवीण योगाचार्य आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे। सभा अधिकारियों के भोजन आदि की व्यवस्था में श्री अंकित आर्य, श्री अमित आर्य तथा इंजीनियर मनीन्द्र बांगड़ ने विशेष रुचि लेकर कार्य किया।

सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के तत्वावधान में
विश्व इतिहास में पहली बार
हरिद्वार चलो
दिनांक : 6, 7 व 8 जुलाई, 2018 को
अन्तर्राष्ट्रीय गुरुकुल महासम्मेलन का
हरिद्वार में होगा भव्य आयोजन
सभी गुरुकुल एवं आर्यजन अभी से तैयारी प्रारम्भ कर दें।
निवेदक
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002
दूरभाष :– 011–23274771, 23260985
ई–मेल :– sarvadeshikarya@gmail.com, sarvadeshik@yahoo.co.in
हरिद्वार चलो

आर्य समाज खेड़ा अफगान का 120वाँ वार्षिक समारोह सम्पन्न

आर्य समाज खेड़ा अफगान के 120वें वार्षिक समारोह 31 मार्च व 1 अप्रैल, 2018 को आयोजित व्यक्ति विकास शिविर के अवसर पर अजमेर से पधारे आचार्य कर्मवीर जी ने जिज्ञासुओं की शंकाओं का समाधान करते हुए अनेक विषयों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर श्री रणवीर शास्त्री जी ने कहा कि वेद ईश्वरीय वाणी है। ईश्वर पवित्रतम है उसके कार्य विचार उसकी सम्पूर्ण व्यवस्था पवित्र है। पवित्र वस्तु से ही पवित्र की रचना होती है।

बागपत से पधारे श्री वेद पाल जी आर्य भजनोपदेशक ने ईश्वर भक्ति और देशभक्ति के सारगर्भित गीत सुनाये। कार्यक्रम का संचालन वेदभूषण व अमित कुमार ने किया। अन्त में श्री आदित्य प्रकाश जी ने सभी महानुभावों जिन्होंने इस कार्य में जिस प्रकार का भी सहयोग दिया उन सभी का हार्दिक धन्यवाद दिया। सभी से अपने जीवन में आर्य अर्थात् श्रेष्ठ आचरण अपनाने पर बल दिया ताकि आप सभी के जीवन में सुःख भरपूर प्राप्त हो।

कार्यक्रम के प्रथम दिन प्रथम वेला में आचार्य जी ने ध्वजारोहण कराया। दोनों दिन यज्ञ में अनेक जोड़ों (पति–पत्नी) ने भाग लिया। कार्यक्रम में क्षेत्र के लोगों के साथ हरियाणा एवं उत्तराखण्ड के आर्य लोगों ने भी बड़ी संख्या में भाग लिया। डॉ. अशोक कमुमार, श्री श्यामलाल, श्री राजपाल, श्री चरण सिंह, श्री शशिकांत, श्री वीरेन्द्र कुमार, श्री राज कुमार, श्री ब्रह्मसिंह, श्री जगदीश मदान, जगाधारी सिंह, श्री ज्ञानचन्द इंजीनियर सहारनपुर से, श्री रविन्द्र कुमार दिल्ली से, श्री राजेश कुमार आर्य मच्छर हेडी से, श्री श्यामलाल जाजवा से, श्री सुरेन्द्र कुमार, मा. अशोक कुमार, डॉ. जिनेश्वर प्रसाद सरसावा से, रूपा गुप्ता, पूनम गुप्ता, अनिता गुप्ता, प्रियंका देवी, विजय लक्ष्मी गुप्ता, छाया, अदिती गुप्ता आदि भी उपस्थित थे।

– राजेश कुमार आर्य, मंत्री

1100 कुण्डीय विराट यज्ञ में आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री सम्मानित

दुनिया के सबसे प्रदूषित शहर दिल्ली की वायु पर्यावरण शुद्धि एवं भारतीय नववर्ष के उपलक्ष्य में 5 हजार वर्षों के इतिहास में पहली बार जीव रक्षणि प्रीत फाउंडेशन एवं पतंजलि युवा भारत दिल्ली के तत्वावधान में रोहिणी दिल्ली में 1100 कुण्डीय विराट यज्ञ का आयोजन धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस शुभावसर पर अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति के वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी को पीतवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य वक्ता दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री डॉ. योगानन्द शास्त्री जी थे। आचार्य सूर्या देवी जी के ब्रह्मत्व एवं आर्य तपस्वी सुखदेव जी एवं अनेक गणमान्य विद्वानों, समाजसेवियों के पावन सान्निध्य में यह ऐतिहासिक समारोह सोल्लास सम्पन्न हुआ।

समारोह को सफल बनाने हेतु श्री प्रीत सिंह वैदिक, दीपा आर्या, प्रदीप माथुर, संदीप भारद्वाज, पं. कालूराम जी एवं पतंजलि युवा भारत दिल्ली के सदस्यों ने सराहनीय योगदान दिया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि एवं विद्वान् बड़ी संख्या में मौजूद थे। कार्यक्रम के अन्त में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। समस्त आयोजकों को अध्यात्म पथ पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक बधाई।

गुरुकुल झज्जर में प्रवेश प्रारम्भ

सभी सज्जनों को सहर्ष सूचित किया जाता है कि महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय रोहतक से सम्बद्ध आर्ष पाठ विधि के केन्द्र महाविद्यालय गुरुकुल झज्जर में नूतन प्रवेश हेतु प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है।

प्रवेश हेतु परीक्षा तिथियाँ इस प्रकार हैं :–

1 और 15 अप्रैल (प्रथम एवं तृतीय रविवार), 6 और 20 मई (प्रथम एवं तृतीय रविवार), 3 और 17 जून (प्रथम एवं तृतीय रविवार)। प्रवेशार्थी छात्र कम से कम पंचम कक्षा उत्तीर्ण और अविवाहित होना अनिवार्य है। प्रवेशार्थी छात्र स्कूल त्याग का प्रमाण पत्र तथा अपना फोटो साथ लायें। प्रवेश शुल्क 2000 रुपये केवल एक बार। भोजन शुल्क 18000/– रुपये वार्षिक (यह शुल्क प्रति 6 मास में 9000/– रुपये की दो किश्तों में भी दिया जा सकता है।) शेष जानकारी हेतु निम्नलिखित चलभाष नम्बरों पर सम्पर्क करें :– 9416055044 (आचार्य), 9416661019 (कार्यालय)।

आर्य जगत् के महान् वीतराग संन्यासी पूज्य स्वामी सुमेधानन्द जी सरस्वती (चम्बा) के जन्मदिवस के अवसर पर दयानन्द मठ चम्बा में 4 से 6 मई, 2018 को होगा

विशाल आर्य महासम्मेलन

महासम्मेलन में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल महामहिम आचार्य देवव्रत जी मुख्यअतिथि के रूप में 4 मई, 2018 को महासम्मेलन का उद्घाटन करेंगे। सार्वदेशिक सभा के प्रधान एवं दयानन्द मठ चम्बा के संरक्षक स्वामी आर्यवेश जी, स्वामी सवितानन्द जी, प्रसिद्ध वैदिक विद्वान् आचार्य रामानन्द जी शिमला, आर्य प्रतिनिधि सभा हिमाचल प्रदेश के प्रधान श्री प्रबोध चन्द्र सूद एडवोकेट व वरिष्ठ उपप्रधान श्री रामफल आर्य आदि वैदिक विद्वान् कार्यक्रम में शामिल होंगे। इनके अतिरिक्त वरिष्ठ संन्यासीगण, विद्वान् एवं भजनोपदेशक आदि भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ायेंगे।

आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है, भारी संख्या में पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनायें।

– आचार्य महावीर सिंह, अध्यक्ष, दयानन्द मठ, चम्बा (हिमाचल प्रदेश)

गुरुकुल संस्कृत महाविद्यालय शुक्रताल, मुजफ्फरनगर, उत्तर प्रदेश में प्रवेश प्रारम्भ

आपको जानकर अपार हर्ष होगा कि गुरुकुल महाविद्यालय गंगा के पावन तट पर ऋषि महर्षियों के तपस्थली, प्रकृति के सुरम्य वातावरण में स्थित है। यहां संस्कृत भाषा के साथ–साथ आधुनिक विषयों जैसे अंग्रेजी, गणित, इतिहास, भूगोल एवं अर्थशास्त्र आदि विषयों का अध्यापन सुयोग्य अध्यापकों के द्वारा कराया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा का उत्तम ज्ञान कराया जाता है। छात्रों को उत्तम संस्कार प्रदान करने हेतु प्रतिदिन प्रातः एवं सायं संन्ध्या हवन एवं यौगिक क्रियाएँ कराई जाती हैं। सुसज्जित छात्रावास उपलब्ध है। दात्रों को सादा एवं पौष्टिक भोजन खिलाया जाता है। नये सत्र के प्रवेश 1 अप्रैल, 2018 से आरम्भ हो गये हैं। यहां पर मध्यमा स्तर (इण्टरमीडिएट की परीक्षाएँ, उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद् लखनऊ तथा महाविद्यालय स्तर का पाठ्यक्रम 'सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी द्वारा संचालित है। संस्था में प्रवेश के लिए छात्र का 5वीं कक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यहाँ के स्नातक शिक्षक, पुरोहित तथा सैन्य, पुलिस पी.ए.सी., वन विभाग, लोक सेवा आयोग आदि विभागों में कार्यरत हैं। यहाँ पर छात्र के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष बल दिया जाता है।

कृपया अपने होनहार बच्चों को संस्कार युक्त शिक्षा दिलाने हेतु दूरभाष पर वार्ता करके प्रवेश दिलायें। प्रवेश नियम डाक से अथवा व्यक्तिगत रूप से प्राप्त कर सकते हैं। विद्यालय को 2 रसोइया, एक वार्डन (संरक्षक), एक क्लर्क तथा संस्कृत संस्थापक के मानदेय पर तीन संस्कृत अध्यापक व दो आधुनिक विषय के अध्यापकों की आवश्यकता है शीघ्र सम्पर्क करें। अधिक जानकारी फोन से प्राप्त की जा सकती है।

– प्रेमशंकर मिश्र–प्रधानाचार्य–9411481624, 9997047680

स्वस्तियाग एवं वैदिक सत्संग सम्पन्न

राजौरी गार्डन नई दिल्ली में सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी के ब्रह्मत्व में स्वस्तियाग का आयोजन किया गया। इस यज्ञ के मुख्य यजमान धर्मनिष्ठ श्रीमती सुरेखा चोपड़ा जी एवं आर्य समाज नारायणा विहार, नई दिल्ली के प्रधान श्री दर्शन लाल कत्याल जी थे। इस अवसर पर आचार्य श्री ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यज्ञ समस्त भुवनों की, समस्त सत्ता की, समस्त जगत् की नाभि है। यज्ञ की शक्तियाँ अनन्त है। यह दीर्घायुष्य शतायुष्य प्रदान करने वाला है। अथर्ववेद में मंत्र आता है, यदि क्षितायुर्यदि वा परेतो यदि मृत्योरन्तिकं नीत एवं। तमा हरामि निऋतेंरूपस्थाद स्पादर्शमेनं शत शारदाय। जो व्यक्ति मृत्यु के पास पहुँच गया हो, जिसके जीवन की आशाक्षीण हो गई है वह रोगी भी यज्ञ से रोगमुक्त होकर आरोग्य को प्राप्त करता है। यज्ञोपरान्त शशिप्रभा आर्या जी एवं श्रीमती वेद मदान जी के सुमधुर भजनों तथा अध्यात्म पथ के संपादक आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी के व्याख्यान का लाभ उपस्थितों ने प्राप्त किया। अन्त में आचार्य चन्द्रशेखर शास्त्री जी द्वारा लिखित 'सुखी जीवन के सूत्र' नामक पुस्तक का निःशुल्क वितरण किया गया। जन–जन की प्रेरणा स्रोत स्व. श्रीमती कृष्णा महाजन जी की सुपुत्री श्रीमती सुरेखा चोपड़ा ने आचार्य श्री की सराहना करते हुए सभी का आभार प्रकट किया। शान्ति पाठ के उपरान्त प्रीतिभोज का आयोजन किया गया।

महर्षि दयानन्द सरस्वती कृत यजुर्वेद भाष्य भारी छूट पर उपलब्ध

250 रुपये मूल्य का यजुर्वेद भाष्य

मात्र 150 रुपये में दिया जा रहा है (डाक व्यय अतिरिक्त)

(जल्दी करें ग्रन्थ सीमित मात्रा में ही उपलब्ध है)

प्रकाशक : सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा

"दयानन्द भवन" 3/5, आसफ अली रोड, नई दिल्ली–2

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर, हरिद्वार प्रवेश सूचना

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर के अन्तर्गत स्वामी दर्शनानन्द उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जो कक्षा 6 से कक्षा 10 तक के लिए उत्तराखण्ड विद्यालयी शिक्षा परिषद् रामनगर, नैनीताल द्वारा मान्यता प्राप्त है का नवीन सत्र अप्रैल, 2018 से प्रारम्भ होने जा रहा है। आवासीय छात्रों का कक्षा 6 से कक्षा 10 तक प्रवेश प्रारम्भ है। यहां गुरुकुलीय शिक्षा पद्धति के साथ छात्रों को आधुनिक विषयों की शिक्षा शुद्ध स्वास्थ्यप्रद जलवायु में प्रदान की जाती है। शिक्षा के साथ–साथ छात्रों के लिए खेल एवं योगासन की भी उचित व्यवस्था है। आधुनिक जिम, खेल मैदान आदि सभी संस्था परिसर में ही उपलब्ध है। प्रवेश हेतु यथाशीघ्र सम्पर्क करें।

नोट :– 1. पूर्व मध्यमा (कक्षा–9) से उत्तर मध्यमा (कक्षा–12) का प्रवेश भी अप्रैल, 2018 से ही प्रारम्भ है।
2. विस्तृत नियमावली तथा प्रवेश हेतु आवेदन पत्र 100 रुपये मात्र देकर कार्यालय से प्राप्त कर सकते हैं।

– क्षेत्रपाल सिंह चौहान–मुख्याधिष्ठाता/प्रबन्धक–9412159693
असीम कुमार–प्रधानाचार्य, स्वामी दर्शनानन्द उ.मा.वि.–7579184046

जहां नहीं होता कभी विश्राम ॥ ओ३म् ॥ आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

हर राहे गुजर पर शमां जलाना है मेरा काम, हवा का रूख क्या है मैं देखता नहीं...

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् का आह्वान

मातृ पितृ भक्त, ईश्वर भक्त, देशभक्त, चरित्रवान युवा पीढ़ी का करेंगे निर्माण

बलमुपास्व

1. राष्ट्रीय युवक चरित्र निर्माण शिविर
शनिवार 9 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान : दयानन्द मॉडल स्कूल, विवेक विहार, दिल्ली–95
सम्पर्क : श्री सौरभ गुप्ता– 9971467978, श्री अरुण आर्य – 9818530543

2. दिल्ली आर्य कन्या चरित्र निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: गीता भारती पब्लिक स्कूल, अशोक विहार–2, दिल्ली
उर्मिला आर्या–9711161843, अर्चना पुष्करणा–9899555280 विजय हंस–9211239397

3. आगरा आर्य कन्या शिविर
रविवार 10 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान: कृष्णा इण्टरनेशनल स्कूल, महुआ खेड़ा, जिला आगरा
श्री रमाकान्त सारस्वत–9719003853, श्री हरिशंकर अग्निहोत्री–9897060822

4. राजस्थान प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक
डी.वी.एम. पब्लिक स्कूल, नारनौल रोड, बहरोड़, जिला अलवर
सम्पर्क: आचार्य रामकृष्ण शास्त्री–09887669603 मा. सत्यपाल आर्य–9001982643

5. हरियाणा प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 3 जून से रविवार 10 जून 2018 तक
स्थान: श्रद्धा मन्दिर स्कूल, सैक्टर–87, फरीदाबाद
डॉ. गजराज सिंह–9213771515, जितेन्द्र सिंह–9210038065, वीरेन्द्र योगाचार्य–9350615369

6. पलवल युवक निर्माण शिविर
सोमवार 11 जून से रविवार 17 जून 2018 तक
स्थान: डी.जी. खान सी.सै.स्कूल, रेलवे रोड, पलवल, हरियाणा
सम्पर्क: स्वामी श्रद्धानन्द जी–9416267482, वी. के. आर्य–9416477166

7. कैथल युवक निर्माण शिविर
शुक्रवार 1 जून से मंगलवार 5 जून 2018 तक
स्थान: आर्य विद्यापीठ स्कूल, पवनावा, जिला कैथल
सम्पर्क: आचार्य राजेश्वर मुनि–9896960064

8. राष्ट्रीय शिक्षक अभ्यास शिविर
वीरवार 12 अप्रैल से रविवार 15 अप्रैल 2018 तक
स्थान: गुरुकुल ग्राम खेड़ाखुर्द, दिल्ली–110082
सम्पर्क: श्री मनोज मान–9868174111, सूर्यदेव आर्य–9416615536

9. मध्य प्रदेश प्रान्तीय युवक निर्माण शिविर
रविवार 27 मई से वीरवार 31 मई 2018 तक
स्थान: ब्राईट कैरियर हायर सेकेण्डरी स्कूल, सिहोर, मध्यप्रदेश
सम्पर्क: आ. भानुप्रताप वेदालंकार–09977967777, विजय राठौर–6260547277

10. उत्तराखण्ड योग–आयुर्वेद–प्राकृतिक चिकित्सा शिविर
शुक्रवार 1 जून से वीरवार 7 जून 2018 तक
स्थान : गुरुकुल कण्वाश्रम, कोटद्वार, पौढ़ी गढ़वाल
सम्पर्क : ब्र. विश्वपाल जयन्त–09837162511

11. जम्मू–कश्मीर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
स्थान : आर्य समाज, जानीपुर, जम्मू
सम्पर्क : श्री सुभाष वख्वर–09419301915, रमेश खजुरिया–9797384053

12. उड़ीसा युवक निर्माण शिविर
शनिवार 5 मई से शुक्रवार 11 मई 2018 तक
स्थान: वेद व्यास संस्कृत महाविद्यालय, राऊरकेला, उड़ीसा
सम्पर्क : आचार्य धनेश्वर बेहरा–09337117429

13. जयपुर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
संस्कार भवन, जी. एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर
सम्पर्क : श्री यशपाल यश–09414360248, डॉ. प्रमोद पाल–9828014018

14. जयपुर आर्य कन्या शिविर
मंगलवार 1 मई से रविवार 6 मई 2018 तक
संस्कार भवन, जी.एस. सैनी नर्सिंग कालेज, रामपुरा रोड, जयपुर
सम्पर्क : श्री यशपाल यश–09414360248, डॉ. प्रमोद पाल–9828014018

15. उत्तराखण्ड युवक निर्माण शिविर
सोमवार 18 जून से 24 जून 2018 तक
स्थान: सैनिक हाई स्कूल, बागेश्वर, उत्तराखण्ड
संरक्षक: गोविन्दसिंह भण्डारी–09412930200, संयोजक: शंकर गोस्वामी–9411079503

16. इन्दौर युवक निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: प्रज्ञा गर्ल्स स्कूल, बिछोली मरदाना, इन्दौर, मध्यप्रदेश
संयोजक: भानुप्रताप वेदालंकार–9977987777, अविनाश शास्त्री–7222955300

17. करनाल युवक निर्माण शिविर
मंगलवार 19 जून से रविवार 24 जून 2018 तक
स्थान: आर्य समाज प्रेम नगर, करनाल, हरियाणा
स्वतन्त्र कुकरेजा–9813041360, अजय आर्य–9416128075, रोशन आर्य–9812020862

18. झारखण्ड आर्य कन्या शिविर
रविवार 13 मई से रविवार 20 मई 2018 तक
स्थान: आर्ष कन्या गुरुकुल, आर्य समाज हजारीबाग, झारखण्ड
संयोजक: आचार्य कृष्णदेव कौटिल्य–9430309525, आचार्य पूष्पा शास्त्री

19. जीन्द युवक निर्माण शिविर
रविवार 20 मई से रविवार 27 मई 2018 तक
स्थान: स्वामी दयानन्द हाई स्कूल,भटनागर कालोनी, रोहतक रोड, जीन्द
सूर्यदेव आर्य–9416715537, श्रीकृष्ण दहिया–9812781154, योगेन्द्र शास्त्री–9416138045

20. यमुना नगर युवक निर्माण शिविर
सोमवार 28 मई से शनिवार 2 जून 2018 तक
स्थान: वैदिक वाटिका, ग्राम संभोली, जिला यमुनानगर, हरियाणा
संयोजक: आचार्य गोपाल शर्मा–9996561444

शिविरों के 'उद्घाटन व समापन' पर दल बल सहित पहुँचे व तन–मन–धन से सहयोग प्रदान करें

निवेदक

डा. अनिल आर्य	महेन्द्र भाई	रामकुमार सिंह	गवेन्द्र शास्त्री	धर्मपाल आर्य
राष्ट्रीय अध्यक्ष	राष्ट्रीय महामंत्री	राष्ट्रीय उपाध्यक्ष	राष्ट्रीय बौद्धिकाध्यक्ष	राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष
9810117464	9013137070	9868064422	9810884124	9871581398

केन्द्रीय कार्यालय: आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली–110007, फोन–7550568450, 9958889970
Email: aryayouth@gmail.com Website: www.aryayuvakparishad.com Join-http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

पंजीयन संख्या DELMUL/2005/15488
डाक पंजीकरण संख्या DL(c)-01/1213/18-20
Licence to Post without prepayment of Postage. [U (c)-289/2018-20]

सोशल मीडिया के माध्यम से स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ें

आर्य युवा सन्यासी व सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी से जुड़ने के लिए इस लिंक पर क्लिक करें
www-facebook-com/SwamiAryavesh व फेसबुक पेज को लाइक करें व अन्य मित्रों को भी प्रेरित करें।
ई-मेल : aryavesh@gmail.com
Tel. :-011-23274771

प्रतिष्ठा में :–

अवितरण की दशा में लौटाएँ –
सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा
"दयानन्द भवन" 3/5 आसफ अली रोड, नई दिल्ली–110002

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर, हरिद्वार का 111वाँ वार्षिकोत्सव भव्यता के साथ सम्पन्न

सभा प्रधान स्वामी आर्यवेश जी का हुआ विशेष उद्‌बोधन

स्वामी दर्शनानन्द सरस्वती जी के सपनों को साकार करेंगे – स्वामी यतीश्वरानन्द

गुरुकुल का प्राचीन गौरव लौटाना हमारा लक्ष्य रहेगा – प्रो. रासा सिंह रावत

गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर अनेक प्रतिष्ठित विद्वानों की निर्माण स्थली है – डॉ. हरिगोपाल

ऐतिहासिक गुरुकुल महाविद्यालय ज्वालापुर की स्थापना सन् 1907 में आर्य जगत् के वीतराग संन्यासी दर्शनों के ममर्ज्ञ स्वामी दर्शनानन्द जी महाराज ने गंग नहर के किनारे की थी। महाविद्यालय का 111वाँ वार्षिकोत्सव 14 व 15 अप्रैल, 2018 को गुरुकुल प्रबन्ध समिति के मंत्री युवा संन्यासी स्वामी यतीश्वरानन्द जी विधायक के संयोजन में बड़ी भव्यता के साथ सम्पन्न हुआ। उत्सव में सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी, उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री श्री हरीश रावत, वर्तमान सरकार में मंत्री श्री मदन कौशिक आदि के अतिरिक्त अनेकों गणमान्य महानुभाव उपस्थित रहे।

उत्सव में 15 अप्रैल, 2018 को प्रातः 11 बजे से 1.30 बजे तक आयोजित योग सम्मेलन के अध्यक्ष के रूप में सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के प्रधान स्वामी आर्यवेश जी ने अपने प्रभावशाली, ओजस्वी उद्‌बोधन से उपस्थित जनसमूह को अत्यधिक प्रभावित किया। स्वामी जी ने कहा कि आर्य समाज योग एवं अध्यात्म का प्रबल प्रचारक एवं प्रवक्ता है। अतः यह आवश्यक है कि आर्यजनों को अपने जीवन में यम, नियमों का पालन करने के लिए मनसा, वाचा, कर्मणा प्रयत्न करना चाहिए। जब तक हम अपने आचरण को ठीक नहीं करेंगे और यम–नियमों के अनुसार जीवनशैली नहीं अपनायेंगे तब तक हमारा प्रभाव लोगों पर नहीं पड़ेगा। स्वामी आर्यवेश जी ने योग की उपादेयता समाज के प्रत्येक वर्ग के लिए महत्त्वपूर्ण बताई। उन्होंने कहा कि राजनैतिक नेता, व्यवसाई एवं उद्योगपति तथा समस्त ऑफिसर लोग जब तक योग अर्थात् अष्टांग योग को नहीं अपनायेंगे और यम–नियमों का पालन गम्भीरता एवं जिम्मेदारी से नहीं करेंगे तब तक भ्रष्टाचार, भाई–भतीजावाद एवं पक्षपात समाप्त नहीं होगा। उन्होंने यम–नियमों को वैश्विक नियम बताते हुए कहा कि दुनिया के किसी भी मजहब अथवा सम्प्रदाय का यम–नियमों से टकराव या विरोधाभास नहीं है। अतः यम–नियमों को पाठ्यक्रम में शामिल कर बच्चों को पढ़ाना चाहिए। स्वामी जी ने कहा कि यम पांच हैं जो अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य तथा अपरिग्रह के रूप में जाने जाते हैं। इसी प्रकार नियम भी पांच हैं – शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्रणिधान। यम हमें समाज के प्रति व्यवहार सिखाते हैं तथा नियम हमें अपने प्रति व्यवहार करना सिखाते हैं। ये सब गम्भीर विषय हैं जब तक इनको हम हृदय से आत्मसात नहीं करेंगे तब तक हम इनसे लाभान्वित नहीं हो सकेंगे और न ही अन्य लोगों को लाभान्वित कर सकेंगे।

इस सम्मेलन में डॉ. त्रिलोकचन्द्र जी वैद्य, श्री ओम प्रकाश आदि ने भी अपना सारगर्भित व्याख्यान देकर योग के महत्त्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर स्वामी यतीश्वरानन्द जी ने अपने व्याख्यान में घोषणा की कि जिन भावनाओं के साथ स्वामी दर्शनानन्द जी ने गुरुकुल महाविद्यालय की स्थापना की थी उन्हें वे अवश्य पूरा करेंगे। महाविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. रासा सिंह रावत ने कहा कि गुरुकुल महाविद्यालय का प्राचीन गौरव हम दुबारा लौटा कर दिखायेंगे यही हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि यह गुरुकुल इतिहास के पन्नों पर अपनी अमिट छाप छोड़ चुका है। इस गुरुकुल की पवित्र भूमि में देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गाँधी एवं अनेक गणमान्य नेता पदार्पण कर चुके हैं। महाविद्यालय के कुलपति डॉ. हरिगोपाल ने बताया कि आर्य समाज के अनेक दिग्गज नेता एवं विद्वान् इसी गुरुकुल से स्नातक बनकर निकले हैं। स्व. पं. प्रकाशवीर शास्त्री, स्व. पं. नरदेव जी वेदतीर्थ, ब्र. विश्वपाल जयन्त आदि लोग इस पवित्र महाविद्यालय में पढ़े और उनका निर्माण यहीं पर हुआ। इस अवसर पर स्वामी जी के साथ सार्वदेशिक सभा के मंत्री प्रो. विट्ठलराव आर्य भी कार्यक्रम में उपस्थित थे। गुरुकुल प्रबन्धक समिति की.ओर से स्वामी आर्यवेश जी एवं प्रो. विट्ठलराव आर्य जी का स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में सर्वश्री प्रो. सत्यदेव जी निगमालंकार, डॉ. अजय कौशिक कुलसचिव, आचार्य हेमन्त तिवारी, क्षेत्रपाल सिंह चौहान मुख्याधिष्ठाता, योगेन्द्र सिंह चौहान एडवोकेट प्रधान, आचार्य धनन्जय गुरुकुल पौंधा, विश्वपाल जयन्त कण्व आश्रम, गोविन्द सिंह भण्डारी प्रधान आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, मानपाल सिंह कार्यकारी प्रधान, दिनेश सिंह आर्य मंत्री आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तराखण्ड, हाकम सिंह आर्यवंशी प्रधान जिलासभा, मा. सुमन्त सिंह आर्य, दयाकृष्ण काण्डपाल पूर्व मंत्री सभा, आचार्य यज्ञवीर जी गुरुकुल पौंधा, प्रेम प्रकाश शर्मा देहरादून, शत्रुघ्न मौर्य प्रधान जिलासभा देहरादून, सत्यवीर सिंह वर्मा संरक्षक उत्तराखण्ड सभा, सत्यदेव आर्य आगरा, रामावतार आगरा, स्वामी शिवानन्द बहादुरगढ़, महाशय मामचन्द्र आर्य भजनोपदेशक, कमर उस्मानी, सरदार चंचल सिंह, ब्र. दीक्षेन्द्र आर्य डाइरेक्टर मिशन आर्यावर्त, राजपाल सिंह आर्य भजनोपदेशक, शरद त्यागी, नवनीत परमार, तेलूराम आर्य, मा. यशवीर सिंह, प्रिं. लाल सिंह आर्य, महेन्द्र सिंघल आदि भी उपस्थित थे। इस दो दिवसीय उत्सव में विविध सम्मेलनों के माध्यम से आर्य जगत् के विद्वानों ने प्रवचन एवं व्याख्यानों के द्वारा वैदिक सिद्धान्तों पर प्रकाश डाला। महाविद्यालय के छात्रों ने भी बीच–बीच में अपनी प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। स्वामी यतीश्वरानन्द जी सरस्वती के गुरुकुल महाविद्यालय प्रबन्ध समिति के मंत्री बनने के पश्चात् गुरुकुल में आशातीत प्रगति प्रतीत होने लगी है। जिससे सभी महानुभाव संतुष्ट हैं।

प्रो० विट्ठलराव आर्य, सभा मंत्री, प्रकाशक व मुद्रक द्वारा सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा, 3/5 महर्षि दयानन्द भवन, (रामलीला मैदान/आसफ अली रोड), नई दिल्ली-110002 के लिए प्रकाशित तथा ज्योति प्रिंटिंग प्रेस, ई-94, सैक्टर-6, नोएडा-201301 से प्रकाशित एवं मुद्रित। (फोन : 011-23274771, 23260985 टेलीफैक्स : 23274216)
सम्पादक : प्रो० विट्ठलराव आर्य (सभा मन्त्री) मो.:0-9849560691, 0-9013251500 ई-मेल : sarvadeshik@yahoo.co.in, sarvadeshikarya@gmail.com वैबसाइट : www.vedicaryasamaj.com
वैदिक सार्वदेशिक साप्ताहिक में छपे लेखों तथा विचारों से सम्पादक या सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा की सैद्धान्तिक मतैक्यता होना अनिवार्य नहीं है।